15

24/1/2023 **16. वन के मार्ग में**

Date / /20

* **सवैया से**

1) नगर से बाहर निकलकर दो पग चलने के बाद सीता की क्या दशा हुई ?

→ नगर के बाहर निकलकर दो पग चलते ही सीता जी के माथे पर पसीने की बूँदें झलकने लगीं, ~~उसके~~ उनके होंठ सूख गए और वे शीघ्र ही थक गईं।

2) 'अब और कितनी दूर चलना है, पर्णकुटी कहाँ बनाइएगा' किसने किससे पूछा और क्यों ?

→ सीता जी ने श्री राम से पूछा क्योंकि वे अधिक थक गई थीं।

3) राम ने थकी हुई सीता की क्या सहायता की ?

→ राम ने सीता के पैरों से काँटे निकाले और हवा करने लगे ताकि सीता को कुछ देर आराम करने का मौका मिले।

Scanned by CamScanner

Date / /20

अतिरिक्त प्रश्न -

1) पर्णकुटी किस चीज़ से बनती है?

→ पर्णकुटी पत्तों से बनती है।

2) 'धरि धीर दए' का आशय क्या है?

→ 'धरि धीर दए' का आशय है कि - धीरज धारण करना यानी हिम्मत से कोई काम करना।

3) प्रथम सवैया में कवि ने राम - सीता के किस प्रसंग का वर्णन किया है?

→ प्रथम सवैया में कवि ने श्री राम व सीता के अयोध्या से निकलकर वन गमन का वर्णन किया है।

Scanned by CamScanner